



Publication

The Times of India

Language

English

Edition

New Delhi

Journalist

Vishwa Mohan

Date

03/03/2024

Page no

12

CCM

49.59

Cooperatives can empower the marginalised, says Shah

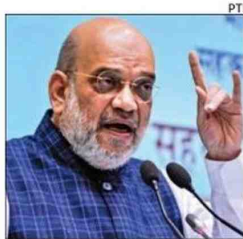
# Cooperatives can empower the marginalised, says Shah

## Umbrella Body Of Urban Co-Op Banks Launched

Vishwa.Mohan  
@timesgroup.com

**New Delhi:** Union home and cooperation minister Amit Shah on Saturday inaugurated an umbrella organisation — National Urban Cooperatives Finance and Development Corporation (NUCFDC)—for urban cooperative banks and pitched for having such banks in every city across India in a time-bound manner.

Underlining the importance of cooperatives, Shah said data alone cannot be a parameter of the country's development and that there should be active participa-



Amit Shah pitched for having urban cooperative banks in every city across the country

tion of people to drive national development. Cooperatives can empower even the most marginalised to contribute meaningfully, he said.

The body, received a certificate of registration from RBI to operate as a Non-Banking Finance Company (NBFC) and will act as a Fin-Tech company and serve both large and small banks in the cooperative sector.

Besides, it will be allowed to operate as a Self-Regulatory Organisation (SRO) for the cooperative banking sector. At present, there are over 1,500 scheduled and non-scheduled urban cooperative banks (UCBs) in India with a total number of branches exceeding 11,000. These banks have a deposit size of over Rs 5.33 lakh crore and total lending of more than Rs 3.33 lakh crore.

Calling NUCFDC a necessity of time that marks a new beginning of self-regulation, Shah said the development of UCBs in the country will increase manifold after the formation of this organisation. He also spoke about the importance of adhering to all regulations of RBI to ensure credibility of such banks in the cooperative sector. "If we fail to do so, we will not be able to sustain in the

competition in the times to come," he said.

The body will prepare small banks for compliance with the Banking Regulation Act. Shah suggested this would help in expansion of credit societies and UCBs.

Since many of the UCBs have constraints related to technology platforms and difficulties in offering modern banking services to customers, NUCFDC is expected to provide various facilities to small banks through technological upgradation, facilitating dialogue between banks and regulators, and working on improving communication.

Referring to the umbrella body as a gateway to solve all problems, Shah said this organisation would be a security shield for small banks, which will increase the confidence of depositors.



Publication	Millennium Post	Language	English
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	03/03/2024	Page no	2
CCM	59.14		

Shah launches NUCFDC, targets to establish one UCB in each town

## Shah launches NUCFDC, targets to establish one UCB in each town

### OUR CORRESPONDENT

**NEW DELHI:** Cooperation Minister Amit Shah on Saturday launched the National Urban Cooperative Finance and Development Corporation (NUCFDC) and asked the umbrella body to set up one urban cooperative bank (UCB) in each town.

He also said urban cooperative banks should upgrade themselves to provide ATM facility, credit/debit cards, clearing system, maintain SLR (statutory liquidity ratio) limit and refinancing.

NUCFDC has received the RBI approval to function as a non-banking finance company and a self-regulatory organisation

for the urban cooperative banking sector. After launching NUCFDC, Shah said, "After 20 years, NUCFDC has been established. This is the need of the hour. I am happy the RBI has given approval for this."

The minister said he felt the absence of an umbrella organisation when he had an opportunity to work with National Federation of Urban Cooperative Banks and Credit Societies (NAFCUB) when there was a crisis in Gujarat. Some urban cooperative banks would not have suffered losses if there was NUCFDC, he added.

Shah mentioned that there were several deliberations and even reports, including from the Vishwanathan Commit-



tee emphasised the need of an umbrella body for urban cooperative banks. "I am confident there will be multi-fold growth in the urban cooperative banking sector with the setting up of NUCFDC," he added.

Highlighting the wider role of NUCFDC, Shah said urban cooperative banks have been operating in India for a long time, but could not grow rapidly even though they can play

a key role in the country's economic growth, he said.

For UCBs to grow and survive, they should upgrade themselves and follow the RBI guidelines. The main objective of NUCFDC should be to help urban cooperative banks adhere to the Banking Regulations Act and bring professionalism in their work, the minister said.

Like other commercial banks, Shah said urban cooperative banks should provide ATM facility, credit/debit cards, clearing system, maintain SLR (statutory liquidity ratio) limit and refinancing.

"I believe for small banks, NUCFDC is a 'suraksha kavach' (safety net)," he said. There are

more than 1,500 urban cooperative banks with 11,000 branches and a deposit of Rs 5 lakh crore across the country, he added.

The minister said NUCFDC should achieve its target paid up capital within a year and not depend on others. National Cooperative Development Corporation (NCDC) has committed Rs 200 crore in it.

"I want the paid-up capital is met by urban cooperative banks. Then only the RBI will have confidence in such banks," he said. Shah also gave away certificates to five major share contributors in NUCFDC, including NCDC, Saraswat Cooperative Bank, and SVC Cooperative Bank Ltd.

Publication	Amar Ujala	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	03/03/2024	Page no	14
CCM	65.04		

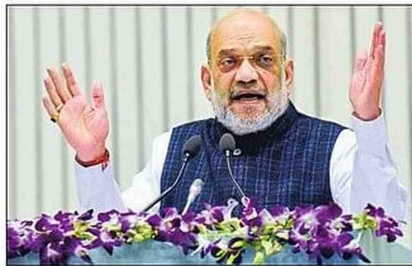
There will be cooperative banks in every city, cooperative movement will gain momentum: Shah

# हर शहर में होंगे सहकारी बैंक, गति पकड़ेगा सहकारिता आंदोलन : शाह

केंद्रीय मंत्री ने एनयूसीएफडीसी का किया उद्घाटन, कहा-विकास कई गुना बढ़ेगा

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार सहकारिता आंदोलन को जन-आंदोलन में बदलने का प्रयास कर रही है। सरकारी प्रयासों से यह आंदोलन न केवल तीव्र गति पकड़ेगा, बल्कि देश के अर्थतंत्र का एक अहम हिस्सा भी बनेगा। साथ ही बताया कि जल्द ही देश के हर शहर में एक सहकारी बैंक होगा।

शाह ने यह बात शनिवार को नई दिल्ली में शहरी सहकारी बैंकों के अंब्रेल संगठन नेशनल अर्बन कोऑपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लि. (एनयूसीएफडीसी) के उद्घाटन के मौके पर कही। उन्होंने कहा, एनयूसीएफडीसी के बनने के बाद देश में अर्बन कोऑपरेटिव बैंकों का विकास कई गुना बढ़ जाएगा। यह शहरी सहकारी बैंकों की समस्याओं के निवारण का गेटवे होगा और उनके सुरक्षा कवच की तरह होगा। यह सिर्फ संकट के समय बैंकों के लिए मददगार नहीं होगा, बल्कि उनके विकास, आधुनिकीकरण व क्षमता बढ़ाने का जरिया बनेगा। व्यूरो



कार्यक्रम को संबोधित करते केंद्रीय मंत्री शाह। एजेंसी

## लोगों के आगे बढ़ने का रास्ता

शाह ने कहा कि आज हमारे पास 1,500 बैंकों की 11,000 शाखाओं और पांच लाख करोड़ रुपये के डिपॉजिट और 3.50 लाख करोड़ के ऋण की कलेक्टिव स्ट्रेंथ है। यह बहुत बड़ी ताकत है और हमें न सिर्फ इसे बढ़ाने का लक्ष्य रखना है, बल्कि इसे संयुक्त रूप से उपयोग कर पूरी अर्बन कोऑपरेटिव बैंकिंग व्यवस्था को ताकत देने का काम भी इस संगठन को करना है। उन्होंने कहा कि आम जनता के जीवन में आगे बढ़ने का रास्ता कोई है तो केवल अर्बन कोऑपरेटिव बैंक है।

## खुद को करें अपग्रेड

शाह ने कहा, ये अंब्रेला संगठन सेल्फ-रेगुलेशन के लिए एक नई शुरुआत है। इस संगठन के बनने के बाद देश में अर्बन कोऑपरेटिव बैंकों का विकास कई गुना बढ़ जाएगा। हमारी विश्वसनीयता के लिए जरूरी है कि हम खुद को अपग्रेड करें और भारतीय रिजर्व बैंक के सभी नियमों का पालन करें। ऐसा नहीं करने पर हम आने वाले समय में स्पर्धा में नहीं टिक सकेंगे। साथ ही जोड़ा, हमें हर शहर में अर्बन कोऑपरेटिव बैंक खोलने का लक्ष्य रखकर आगे बढ़ना चाहिए।

## सिर्फ आंकड़े विकास का पैरामीटर नहीं

- शाह ने कहा कि जब देश के प्रधानमंत्री कहते हैं कि हम दुनिया का तीसरे नंबर का अर्थतंत्र बनें, तब पीएम मोदी के मन में भी यह बात है कि आर्थिक विकास सर्वस्वशाय और सर्वसमावेशी हो। अगर हमें इस कॉन्सेप्ट के साथ आगे बढ़ना है तो हर गांव, शहर में युवाओं और स्टार्टअप को आगे बढ़ाना है। इसके लिए अर्बन कोऑपरेटिव बैंक के सिवाय कोई रास्ता नहीं है। भारत जैसे विशाल देश में विकास का पैरामीटर सिर्फ आंकड़े नहीं हो सकते, बल्कि देश के विकास में कितने लोगों की सहभागिता है, ये बड़ा पैरामीटर होना चाहिए।
- केंद्रीय मंत्री ने कहा, जब तक सहकारी संस्थाओं में सहकार और परस्पर आगे बढ़ाने की भावना नहीं होगी, तब तक हम आगे नहीं बढ़ सकते। उन्होंने कहा कि लगभग 20 साल के संघर्ष के बाद आज नेशनल अर्बन कोऑपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन की स्थापना हो रही है।



Publication	Rashtriya Sahara	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	03/03/2024	Page no	9
CCM	36.13		
	Shah started NUCFDC		

## NUCFDC की शुरुआत की शाह ने



नई दिल्ली (एसएनबी)। सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को राष्ट्रीय शहरी सहकारी वित्त एवं विकास निगम (एनयूसीएफडीसी) की शुरुआत की। उन्होंने साथ ही इस निकाय से प्रत्येक शहर में एक शहरी सहकारी बैंक स्थापित करने को कहा। उन्होंने यह भी कहा कि शहरी सहकारी बैंकों

को एटीएम सुविधा देने, क्रेडिट/डेबिट कार्ड जारी करने, समाशोधन प्रणाली और एसएलआर (वैधानिक तरलता अनुपात) सीमा बनाए

रखने के लिए खुद को उन्मत्त बनाना चाहिए।

आरबीआई ने एनयूसीएफडीसी को गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी और शहरी सहकारी बैंकिंग क्षेत्र के लिए एक स्व-नियामक संगठन के रूप में काम करने की मंजूरी दी है। इस मौके पर शाह ने कहा, '20 साल बाद एनयूसीएफडीसी की स्थापना हुई है। यह वक्त की मांग है। मुझे खुशी है कि आरबीआई ने इसके लिए मंजूरी दे दी है।' उन्होंने कहा कि शहरी सहकारी बैंक भारत में लंबे समय से काम कर रहे हैं, लेकिन वे तेजी से वृद्धि नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि अगर एनयूसीएफडीसी पहले से होता, तो कुछ शहरी सहकारी बैंकों को घाटा नहीं होता। शाह ने कहा कि इस संबंध में कई विचार-विमर्श हुए और विश्वनाथन समिति की रिपोर्टों में भी शहरी सहकारी बैंकों को जोड़ने वाले एक निकाय की जरूरत पर जोर दिया गया। शाह ने आगे कहा कि ये बैंक देश की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। एनयूसीएफडीसी का मुख्य उद्देश्य शहरी सहकारी बैंकों को बैंकिंग विनियमन अधिनियम का पालन करने और उन्हें पेशेवर बनाने में मदद करना होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि देश में कुल 11,000 शाखाओं वाले 1,500 से अधिक शहरी सहकारी बैंक हैं और इनमें पांच लाख करोड़ रुपये जमा हैं। इस कार्यक्रम में सहकारिता राज्य मंत्री बी.एल. वर्मा, वित्त राज्य मंत्री भागवत किशनराव कराड, सहकारिता सचिव आशीष भट्टानी और एनयूसीएफडीसी के चेयरमैन ज्योतिद्र मेहता उपस्थित थे।